मत कर तूँ अभिमान रे बंदे

मत कर तूँ, अभिमान रे बन्दे,
झूठी तेरी, शान रे, मत कर तूँ अभिमान ॥

तेरे जैसे, लाखोंआए, लाखों इस, माटी ने खाए ॥
रहा न नाम, निशान रे बन्दे, मत कर तूँ अभिमान,
मत कर तूँ, अभिमान रे बन्दे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

झूठी माया, झूठी काया, वो तेरा जो, हरि गुण गाया ॥
जप ले हरी का, नाम रे बन्दे, मत कर तूँ अभिमान,
मत कर तूँ, अभिमान रे बन्दे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

माया का, अन्धकार निराला, बाहर उज्ञला, भीतर काला ॥
इसको तूँ, पहचान रे बन्दे, मत कर तूँ अभिमान,
मत कर तूँ, अभिमान रे बन्दे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

तेरे पास है, हीरे मोती, मेरे मन, मंदिर में ज्योति ॥
कौन हुआ, धनवान रे बंदे, मत कर तूँ अभिमान,
मत कर तूँ, अभिमान रे बन्दे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18912/title/mat-kar-tu-abhiman-re-bande

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |